दूर शिक्षा निदेशालय

बी.ए. पाठ्यक्रम

विषय: बी.ए. दर्शनशास्त्र

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

बी.ए. पाठ्यक्रम (सत्र-2021-2024) के अंतर्गत बी.ए. दर्शनशास्त्र में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए यह सत्रीय कार्य है. आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि बी.ए. के अंतर्गत बी.ए. दर्शनशास्त्र पाठ्यचर्या के प्रथम सेमेस्टर और द्वितीय सेमेस्टर के सत्रीय कार्य जारी किया जा रहा है. सत्रीय कार्य अपनी लिखावट में लिखकर आप अपने संबंधित अभ्यास केंद्र पर या जो विद्यार्थी सीधे मुख्यालय के माध्यम से पंजीकृत हुए हैं वे निम्न पते पर सत्रीय कार्य भेजें:

निदेशक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001

फोन / फैक्स नं. : 0752-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 16 जनवरी 2023

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है और उसे किस तरह से प्रस्तुत करने की क्षमता आपने विकसित की है। सत्रीय कार्य के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विभिन्न विचारों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

सत्रीय कार्य लेखन निर्देश :

प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढिए एवं इनका अनुपालन करना सुनिश्चित करें :

1. सत्रीय कार्य को स्वयं के द्वारा अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लिखें और हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत करें . टंकित प्रति स्वीकार्य नहीं है.

2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के सादे कागज का ही प्रयोग करें।

3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

4. प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व आवश्यक निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करें।

5. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।

6. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

7. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।

8. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ (Cover Page) निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा :

पाठ्यक्रम का नाम: बी.ए. दर्शनशास्त्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक :.....

प्रश्न-पत्र कोड :.....

अभ्यास केंद्र का नाम: .....

पंजीयन संख्या: .....

नामांकन संख्या: .....

नाम: .....

पता: .....

मो.: .....

ई-मेल: .....

दिनांक: .....

विद्यार्थी का हस्ताक्षर : .....

शुभकामनाओं के साथ

(डॉ. जयन्त उपाध्याय)

पाठ्यक्रम संयोजक

(बी.ए. दर्शन शास्त्र)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्नपत्र

स्नातक कार्यक्रम

कोर्स का नाम – भारतीय दर्शन-I

सेमेस्टर – प्रथम

अंक-30

(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।)

प्रश्न 01 : भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 02 : उपनिषदों में वर्णित प्रमुख विचारों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 03 : भगवद्गीता का दर्शन में वर्णित ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा भक्तियोग की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 04 : चार्वाक-दर्शन के ज्ञानमीमांसा की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 05 : बौद्ध दर्शन के चार आर्यसत्यों की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्नपत्र

स्नातक कार्यक्रम

कोर्स का नाम – भारतीय दर्शन-II

सेमेस्टर – द्वितीय

अंक-30

(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।)

प्रश्न 01 : सत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 02 : अष्टांगयोग की व्याख्या कीजिए ।

प्रश्न 03 : न्यायदर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 04 : आचार्य शंकर के अनुसार मायावाद की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 05 : वैशेषिक दर्शन के अनुसार परमाणुवाद को व्याख्यायित करें।